जाना विषय राज्य कित्रा वक नर्गव्याती नर्थ চিয়া সেই নগরের রাজার সহিত সাহাৎ করিলেক রাজা ওাছার গাত্রেভে ভলোয়ারের চিছ দেখিয়া তনমান করিলেন যে এ বাজি বই বীর হইবেক কেননা অন্থাদির চিক্ত দকল গাত্রে আতে বাজা ইহাই বিবেচনা করিয়া সেই শৌভিককে তাকর রাগিয়া মর্ঘাদাবান করিলেন। क्रीक पिरमात पत्र होजार जरमा - अक दिन ওপদ্তি হইল তথন রাজা মেই শৌণ্ডিককে সকল সৈন্যের সেনাগতি ভার্মেতে শ্বর্য করিয়া আর্ণন শব্রুর সহিত ভুদ্ধার্থে পাঠাইতে চাহিলেন শৌণ্ডিক সমরের কথা শুলিয়া ততিভীত হইয়া রাজার অণে নিষেদন করিলেক মহারাজ আমি জাতিতে শৌতিক আমাহইতে কথান एक कमा निष्नुन হইবেক না এবং আমিও ঘুদ্ধ জানি না ইহাই শ্রনিয়া হাস্য করিয়া অন্তঃকরনে বিবেচনা করিলেন যে আঘি ককরকে সিংহের ক্রেমতে नियुक कविद्यां फिलांग ने जागांत दंज लंजांत विषेत्

ইহাই তাবিয়া আর এক জন ওপযুক্ত মনুষ্যকে মেনাগতি করিয়া যুদ্ধের অন্যে পুরুত্ত করিলেন। তোতা এই ইতিহাস সাম করিয়া খোঁতেস্থাকে কহিলেক ও কর্মী দাসসকা করিয়া ঘাইও না বর্গ একাকিনী যাও। খোঁতেস্থা ইহাই শুনিয়া একাকিনী ঘাইতে ওক্তে হইলেন এই সময় কুলুট রব করিলেক ও পুতিঃকলি হইল একার্ড খোঁতেস্থার সে দিবস ফিল হইল না।

১৮ অপ্রতিশার ইতিহাস।

এক বাণি দ্যা করিয়া এক শৃগালবৎসকে আপন বড্লেরদের সহিত পুতিপালন করিয়া চিল তাহার কথা।

ঘথন সুর্যান্তে অনুনাদয় হইল তথন থোঁতেন্ডা পুকষের লায় বন্দ্রাদি পরিবান করিয়া পুিয়তমের নিকট গামনের অনুমতি চাহিতে ভোভার নিকটে গোলেন। ভোভা থোঁতেন্ডাকে পুকষের বেশ দেখিয়া বিন্তর হামা করিয়া ভাঁহাকে বলিতে আরম্ভ করিলেক ও কর্ত্রা আয়ে বত অন্ধ কার রতানা তুমি পুিয়তমের নিকটে ঘাইবার কার্ন পুকষের বেশ বার্ন করিয়া একাহিনী আমিয়াক কিন্তু ভূতা অন্ধে আন নাই ভাল করিয়াক জন্য আমার পুষ্বের্বর বন্ধু এক ভোডা ওভিয়া ঘাইতে কেলেন আমাকে পিন্তুরে দেখিয়া পিন্তুরের নি इंडिइम्स कहिरतन य ये कना ने बंका जीय তোয়াকে কহিয়াজিলায় যে ছবু সাহস্থা আর ত্তু ব্যক্তি হইতে বড় কর্মানিদ্রর হয় না সেই কণ এক ক'কা ভাষার মানে শ্রনিলাম (মাতেন্তা কহিলেন মে কথা কিণুকার ভাহা কহ। কহিতে আর্মু করিলেক।

अक बास अक बार्स जांत्र अक बांगी अहे प्रहे বাজি দুই ৰংখুর সাহিত থাকিত এক দিবস ব্যাদ্ मिडे बरनइ नीर्म स्रीमार्थ वर इसन करिया किन না পাইয়া রুখ শুমুত্ত হইয়া প্রুষ্ঠার দে স্থানে আমিতে জিল ইডিমবৌ এক দিরসের এক শৃগাল বহু সেই পথের মধ্যে পড়িয়াছিল ভাহাকে দেখিয়া বাদ্ৰ ৰইয়া আপন স্থার নিকটে ওপদিত रहेग़ां कहिलक जारा अहे दश्म जाजि भारेग़ांकि किन्द इंडोरक कप्तल कविराउ पर्या इस उदक पूडे এক দিবস অনাহারে থাকিব তথাত এমন বভুকে আহার করিতে পারিব না কিন্তু তুমি ওপবাদী

থাকিতে পারিবে না ইহাকে যদি ভদ্রল কর তবে

আমার পোচরে এই বভুকে ভোজন করিও না বাদ্যি ইছাই শুনিয়া কহিলেক তুমি পুৰুষ ভোমার দের অন্তঃকর্ম বড় কচিন ডাছ'তে ডোমার দ্যা অন্মিল দুবি আতির অন্তঃকরের বড় কোমল আমিও ची कि नुकारत भारे बद्धार आशांत कतित भारि তমি আজা কর তবে এই বহুকে পালন করি যে পুৰুৱি ওহার মাতা পালন করিত আদ্ কহিলে তাল পরে ব্যাণ্ড্রী আপল বড্লেরদের মহিত তাহাকে भुविभागन कवित्व नौतिन। पृष्टे जिन यांम भारत बार्ष्युत एरे वज्ज नवि म्लीन बच्च नहे जिन वज्ज वङ् इहेन किन्द्र राष्ट्रियाञ्चरा ने म्हान रञ्जाक আপনার্দের তোটে ভুড়া জান করিয়া একর (भानां कविष्ठ अक पिरम मिरे जिन बच्च मार्गाम्) করিতে গমন করিয়া এক হস্তীকে দেখিয়া থালুর महे वध्य इतिहामिता (मोज़िंदन न्तान कृते नर्ध इसीरक पिणियां ननायन कित्यां अक उकर शहरत शीनत रहेल पथन बांच् बच्चतां पिष्धालक विगर्ध ज्ञांजा क्लार्शिक्त ज्यान जारांजा

বাধীর্দিশে গমন করিয়া নক দত পরে বাধী পঁত চিয়া আপন মাতাকে আপনারদের সমস্ত কথা শোচর করিলেক। বাাধী শুনিয়া কহিলেক যে ভোমরা বাাধু বত্ন সে শ্গোলপুল কি পুকার ভোমারদের নাগ্য মাহস করিয়া হত্তির মাহত যুদ্ধ করিবেক। ও পুলেরা শুন যে জন বত্ ভাহার বত সাহস সেই ওত্তম কর্মা করিতে চাহে যে সুদ্ধ ভাহার তল্প সাহস সে করিতে চাহে যে সুদ্ধ ভাহার তল্প সাহস সে করিতে চাহে যে সুদ্ধ ভাহার তল্প সাহস সে করিতে চাহে কার্য করিতে পারে না নবং সূহৎ বাাপার করিতেও ওচ্যত হয় না।

তোতা এই ইতিহাস শেষ করিয়া থোঁতেন্দার্কে কহিলেক ও কর্ত্তী এমন তুমি ওট্নি। আগন পুরতমের নিকট খাও। থোঁতেন্দা গমন করিতে ওদাত হইলেন এই কালনি কুবুট ভাকি তে লাগিল ও পুাতঃকাল হইল একারন থোঁতে ন্তার মে দিবস গমন হইল না

१३ उनवियम रेडिसम।

এক পুরান লোকের পুত্র তিনি আপন জামার আন্তিনের মধ্যে সর্গকে লুকাইয়া রাগিয়াচিলেন ভাষার কথা।—

ঘান সূর্যা পশ্চিয়াছিলে পেল আর চলু
পূর্বাদিগছাতে বাছির ছাল তামন থোজেন্তা
দুঃগানিতা ছালা তোডার নিকট ঘাইয়া কছি
লেন যে শ্রেমানলে আঘার মনোদাছ হাতেতে
আন রাত্রিতে যে পুকারে আমি বজুর নিকটে শীদ্
ঘাইতে পারি ভাষা কর। ভোডা থোজেন্তাকে
বড় বাস্তা দেখিয়া ভাত ছালা কছিলেক ও কত্রী
শুন আমি ঈশ্বরের দানে পার্থনা করিতেতি
যে তুমি শীদ্ ভোমার বজুর মন্নিবানে শঁখত
একং পুডাছ রজনীতে ভোমাকে বিদায় দিই
কিন্তু তুমি বিলম্ব করিয়া ঘাইতে পার না অদ্য
আপন শিয়তযের নিকটে শীদ্ম পুনান কর

কিন্তু পর্বকে তুমি পুতায় করিও না আদি পুতায় কর তবে যেমত সর্ণহইতে এক পুরান লোকের প্তার দশাহইয়াজিল সেই পুকার দশা ভোমার ्रातियां देशहे श्रीत्या व रहेरवल। তিভাসা করিলেন ভাছার ওশাখনে কিক্রণ ভাছা कर। राजांज कहिल्ड पात्र कितिलक। अर मुदीन लिटिन्ड भूय अर बिरम मृशिया क्रिएड शियांकिलन अक्सां अक मन यहियां **মেই বড় মন্চোর স্তানের অণ্ডে ওপরিত** হুইয়া কছিলেক ও বড় মন্দ্রের পুণ্র আমার अक भंज यिक्षे इस्ड नहेम्रो आधारिक नर्भ कविए**उ** আঁমার পদ্ধাৎ আঁমিতেকে তত্ত্বে তুমি আশ্রু দিয়া আমাকে বুফা কর। ইছাই শ্রনিয়া আমির পুণ্র দেই নাগকৈ আন্তুল হুইয়া আপন তামার আন্তিনেতে মান দিলেন সপত সেই जान्तिनग्रादी। होभिन इरेन अरु पण भारत अरू ब्राक्ति नांवि नहेग्रा स्महे थांत्न नंदक्षियां स्महे अउथ লোকের প্রতে জিফাসিলেক এক কৃষ্বল সপ जांगाइ जार नेनारेग्रां जामिग्रांक जुग्न जारोट रिष्णियांव कि वा ? आंग्रिय नमन कहिएनन आंग्रि मान (प्राधि नारे। भारत समरे वाकि स्मारे स्थितत कांचनान पृष्टि कवियां मर्प्य जात्यत ना नारेयां ৰাখড়িয়া ৰাটী গৌল ওংগৱে আঁয়িৰ পুণ্ৰ কহি লেন ও সূৰ্ব ডোমার বৈরি বাচীগমন করিয়াতে তুমি এখন বাহির হও। ভুজন ইছা প্রনিয়া কছি শেক ও আমির প্রাপ্তাম তোমাকে দ্যাঘাতে ৰঞ্জ করিব তবে আমি বাহির হইয়া আইর। ইহা খানিয়া আমির পুণ্র কহিলেন ও নান আমি ড়োমার পুান রহা করিয়াদি ভূমি আমাকে নম্ভ कर्तियां न (कानमार्य ज्ञान नहर। अने अउद कित লেক তুমি বহু মূর্য ও নিষেবাই ইয়া তান না जांगि मर्ने भन जांज यग्न जूगि जांगांत স্থান দিয়াত তথান আপনার মন্ত্র করিয়াত फ्रांनितां करियांट्यन योशंतरपत् अनेकांत्र (वर्षि नोडे ভাহারদের ওপকার করা অভি অকর্ত্তব্য

অতি অভানের কর্ম। আমিরণ্শ্র ইহাই পুরু করিয়া মনে ভয় পাইয়া ভাবিতে লাগিলেন এখন কিপুকার ইহার ইত্তহততে ব্রহা পাই। গরে আমিরপূম সর্গতে চাত্রির ঘারা কহিলেন ও মর্ল ব্রন আর এক মর্ল আমিতেতে তুমি বাহির হইলা আমার মনে আইম তাহাকে এই সৰ কথা দুই জলে জাত করাই সে ভোমার जाि दिन्द्र स्म यपि बाल य देशांदर प्रधनत क्तां अहित इस जत्व लायांत्र त्महां यांचा इस ত হল। তুমি তাহাই করিও। সপ ইহাই শ্বনিয়া জামার আন্তিনহইতে মুখ বাহির করিয়া जना जुजनारक प्रणिएं नागिन रेडांबनदा व्यामित्तव नृद्य अकं वच नुंखत इत्य नहेगा ने मूच महभूत ग्रस्टार समेरे मुस्तापांठ कतिलान समेरे भुन्डवाधीरक मर्ज भीव छाना कतिल अरव আমির নন্দন রক্ষা পাইলেন।

গোজেন্তা এই ইতিহাস শুনিয়া ভোতাকে কহিলেন ও ভোতা ভোমায় নীতি বাক্য আমি পুষ্ণ করিলাম এখন তুমিও আমার এক বাঁকা
পুষ্ণ কর। তোড়া ওয়র করিলেক ও করী তুমি
মাছা আজা করিবা ডাছাই করিব। ইহাই
ভালিয়া খোজেন্তা কহিলেল যে তুমি তুঠ হইয়া
লিয়তমের নিকটে আমাকে লীয় বিদায় দেও
ভালেক ও করী তুমি ওও আর বিলম্ব
করিও না আমার এই ইছা যে তুলি ভোমার পি্য়
ভামের নিকট লীঘু শহলে। পরে খোজেন্তা ওপিয়া
গমন করিতে ওঘাও হইলেন এই সময় কুছুট শর্ম
করিল ও পুড়াকাল হইল এ করিব খোজেন্তার
লে দিবস গমন হইল না।

७० विर्णं रेडिरांम।

এক সিপাই আর এক স্বর্ণকার অর্থের কারও নাম হইয়াছিল ভাহার কথা।

থানে সুর্যান্তে সন্ধাকাল হইল তাধন থোতেন্তা অন যান্ত্রন মৎন্যা মাৎন্স এবং নানা ভাতীয় উত্তমা, ফলাদি ভোতান করিয়া পাত্র এবং চিকুর পরিষ্কার করিয়া নানাপুকার গজাদুব্য গাত্রে লেপন করিয়া এবং নয়নে কতুল পুদান করিয়া অতি উন্তমবন্ধ পরিবান করিয়া এবং নানাপুকার রুপাভরনেতে ভূষিতা হইয়া আপন পুয়তমের নিকটে গমনের বিদায় লইতে ভোতার সমাপে ঘাইয়া কহিলেন ও আমার মনোজ আমাকে অনুমতি দেহ তবে আমি স্থা সমাপে ঘাই এবং ভাহার সহিত মিলন করি। ভোতা ইহাই শ্রনিয়া ওতার স্বারিলেক ও করা নী
আভিভাল কথা তুমি শীলু গামন কর কিন্দু
আমার হাই কথা মনে রামিবেল আপনার উপ্ত
কথা কাহাকেও কহিবেল লা যদি কছেল তবে
যেয়ত স্থানকরি আপনার উপ্ত কথা পুরুলেল করিয়া
মরিল তেমত তেমিবির অভিবে । ইহা শ্রনিয়া
মোতেন্তা তিজাসিলেল ও তোভা স্থানকার কিকল
মারিল তাহার ব্রান্ত কহ। তোভা ইহাই শ্রনিয়া
দেই কথা কহিতে আরম্ভ করিলেক।

वक् मिनोरे असे देनवान सर्वकार व मिर्छ वक्ष्या स्वाप्त मिर्छ वक्ष्या मार्क्ट जिल्ला स्वाप्त स्वाप्त क्ष्या क्षित स्वाप्त क्ष्या क्षित क्ष्या क

(एप्रियां व्यक्तिसं इहेस्। धानहरेख লাম্ম দিশত কর্মাণু গলৰ করিয়া পুলরবার हम्हे थलित ग्रांदेश द्रांशियां थिल वह्न क्रिलिक नंद्र स्मर्डे धिन सुद्धां जाननांत्र बन्न सर्वसाद्रह নিফট গাঁমন করিয়া কহিলেক ও বন্ধু এখন আমার পাক্তন ভাল হইয়াতে বিনা পুমেতে এও स्य न्या ने प्रधारती ने जिया नो हे लोग हिन्दु आंग्रोह মানাভাব তত্ত্বৰ ডোমার গৃহমধ্যে রাগ্য প্রেট क्था बेलिया मिलीडे स्टर्भ्य पूर्व सुद्धा स्मेट थिन स्वांकारत्त्र निक्टे शिह्निए कहिरलक । स्वांक দিবদের পর দিপাই স্মর্গকারের স্থানে সেই सर्ग मां विश्लित। सर्वात सर्ग्य माना দিয়া ডাইন্সে ক্ষালেছ ও সিণাই এডকান তোমাকে বন্ধুতান ক্রিয়াতিলাম কিন্তু এখন যুব্যি লাম যে তুমি আমার শরু কেননা আমাকে शनवान मिणियांक अंदे एकु प्रियोग सक्त्र प्रांत দাঞ্যা আমার ওপর করিডের তুমি কোল কালে कायाद्व स्वयं पूर्व दिश्रांतिलां ? अ वङ् सन् कथा

क्य आधार निकट स्वाप्त मा ठाइ यहि हिना वाकि सुन प्रत मज करित्वक। मिनोरे डेहारे श्वित्रा जानुंभीय इंदेश काजीव निकंडे शिया स्था রুতাত কহিলেক পরে কাজী সকল বৃত্তান্ত জাত হই া মি নাইকে জিভাদা করিলেন ও সিনাই তোমার কেই সাফ্রী আছে সিপাই বলিলেক व्यायांत यम माक्तो थाविष । उत्व मा कथन নিটা কথা কহিতে পারত না। পরে কারী মনে বিচার করিলেন মুলকার তাতি বত বিশ্ব স্বাতক ও অহামিত এক তোর এ সিশা ব্যের মাণিত বুল মর্নকার অবশা হরন করিয়া थांक्टित्क स्रवंकारहरू ने किया वर्ज जांकांची नार । काजी अहे विरक्तनां कविया मिरे मानकाव আৰু তাহাৰ স্থাকে তাকিয়া আদিয়া এই বিষয় जिजासा क्रिलिंग जारातां अवाह मानिलिंक ना (प मिनोरम्ब सर्भम् प्रां जानि। कांजी सर्भ কারতে কহিলেল ও মুর্ভার আমি বিলফ্ল জানি ড়েছি তুমি মিপায়ের মর্ম্য দা লইয়াছ কেন

हर्न हरू ना अन यमि जूबि मिनीर्वतं सर्वप्र না দেও তবে কলা পুতি ভোমার মন্তক হেদন क्रिव। अरे क्यां क्रियां कांजी आनेन वाहीव यारी। शियां अक मिक्ट्राकृत यारी। पूरे जन यनमा वमिर्म मिक्टिक मूर्थ वस कहिया नक क्षृहित মটো রাশিয়া বাহিরে আজিয়া পুনবর্গর সেই মর্ল की गरक कशिलन 3 सर्वकांद्र यहि अधन 3 जिले (ग्रं म प्री पिंट जरव जीन इस किन्दु जना यपि ना पर उत्व छायांव्राप्त पृष्टेजनत्व कना नक्ष করিব। ইহাই বলিয়া সেই মর্নকার ও ডাহার न्ते अहे प्रेजनंतर एवं शृष्ट मिखूक द्राणियां कितन समहे शृंदर छोरांत्र एवं याहित कविट उ আজা দিলেন দতেরাও তাহারদের দুইজনকে মেই গৃহে আটক করিলেক পরে জন্মরাত্রের मध्य स्वकारतत श्री स्वकादिक क्रिलक 3 नाथ यदि उपि भिनीत्यत सर्वयपुर नहेंगा थाक उदव डाहा जायांटक वल अव॰ क्लियांच वाणियांच প্রাকে কি কহিয়াছিল তাহা কহ?। তারপর নেই দুইতল যে কিছু ক্রেণাক্রমন প্রান্মাছিল নে সকল কাতাকৈ কহিলেক কাতা আপন লোক নাক্রের বাচীকে পাঠেইয়া যে হালে নেই থালিস্থা নাক্র্যু পৌতাজিল নেই বানহইতে থালিস্থা নাক্র্যু পৌতাজিল নেই বানহইতে থালিস্থা নাক্র্যু পৌতাজিল নেই বানহৈকে দ্য়ো নাক্রিকে কহিলেক ১ কর্ত্রী যাহি নাক্রিয়া থোকে। তাকে কহিলেক ১ কর্ত্রী যাহি নাক্রিয়া থোকে। তাকে কহিলেক ১ কর্ত্রী যাহি নাক্রিয়া থোকে। তাহাও বহ। অনুকার কহিলেক আমি অনুমুদ্র প্রায়ালি সভা বাট এক জ্ঞানা কানে ভূমির মাহ্যেরামিয়ালি। এই কথোপক্রমানের পর তাল রাজিপুভাতে সূর্যোদ্যে হইল তাল কাথা বিচার করিতে বাস্যা অনুকার আর অনুকারের স্থাকে ভালাইয়া ভাহাহহাত নোই দুই অনকে কাহির করিয়া ভিজাসিলেল যে অনুকার স্থারিতে আপন प्रश्न प्रश्नित प्रतिष्ठ तो। अहे कांत्र (प्रांप्ता त्व निर्दमन किंत्रनाम (प उछक्य। व्यक्त क्रियं तो अथन पूर्ण जानन निर्मेष्ठस्म निर्मेष्ठ निर्मेश करा। प्रथम (भारतका प्रांप्ति अग्रेप्त होसन करा। प्रथम (भारतका प्रांप्ति अग्रेप्त होसन करा। प्रथम (भारतका प्रांप्ति अग्रेप्ति ।

८४ अक्रिक्ष में इतिहांम।

বক সম্দাণার আর এক লালিড এই দুই জন কডক বৃহ্যাক্তকে যঞ্জিরা পুহার করিয়াজিল ভাহার কথা।

ঘথন সূর্যান্তে তাংগিনের সহিত চন্দ্রেদ্য হইল তথান থোতেন্দ্রা তরির সাধী বন্দ্র ও মর্না লক্ষার পরিবান করিয়া বিদায় চাহিতে ভোডার নিকট গমন করিয়া কহিলেন ও ভোডা আমি অতা আর্ন্নাত্রের সমার বন্ধুর সমালে ঘাইতে চাহি অতা মর্ন্নাত্রের সমার বন্ধুর সমালে ঘাইতে চাহি অতা বহু সমায় যে ইতিহাস থাকে তাহা কহ। তোডা ইহাই শুনিয়া কহিতে আরম্ভ করিলেক। এক সহরে এক বনবান স্বাদ্যান্ত্র জিল কিন্তু তাহার সন্তান জিল না একারল স্বাদ্যান্ত্র এক দিবস অন্তঃকরনে দ্বির করিলেন যে পৃথিবীতে আসিয়া পুতুর অর্থ সংগৃহ করিয়ানি কিন্তু ভামার সন্তান নাই আ্যার মৃত্যু হইলে পর এই পুন কে ভোগ করিবেক? অতএব এই সকল পুন ত্রক্তির আরু গরিব ও অনাথেরদিগকে দেওয়া কর্ত্তর। ম্মুদ্গির ইহাই প্রাম্প দ্র ক্রিয়া আপনি সমস্ত বৈন দান করিয়া রাত্রিতে শয়ন করিয়া विश्वितिहम निष्यं वसांख अक सर्वं (प्रिधालन (य এক ব্যক্তি কহিতেতে ও বুলী আমি ভোমার পাঁজন ত্যি জন্য সমস্ত বিদ অকিরেরনিগতে দিয়াল তোমার সংসারের গার্চ ক্রি পুকার চলিবেক? ইহা ভাবিয়া ভিচ্ ই রাথ দাই এই হেড আমি তোমাকে এক পরামশ কহিতে আসিয়াতি কল্য আমি বিশুমুর্তি বার্ল কর্মা ভোমার নিবট ম্থান আমিব তথ্ন তুমি আমার মন্তবে মধার ঘাত করিবা আমিও মেই ঘদ্যাদাতে ভ্যে প মা পুলি আগ করিবামানু আমার শাংীর হল হইবেক সেই কালে তুমি আমার শাহীর চেম্ব कित्यां स्व लहेका उद्युत्वत् व्याप्त जायांत **जवपुर (महेक्न इहेरवक)** किठीय किरम अंक नानिक स्प्रापीवृहक क्षांस्टेड जिल मेरे काल

मिरे पुंकित्तद्र पुंडिय वि द्वांस्त्व पंरक्रित সম্দেশির পাত্রোত্থান করিয়া কএক বার ডাছার মস্তুৰে ঘণ্টাগাত করিলেন বুক্তিৰ মেই ঘণ্টা দ্বাতে পুলি ত্যাগ করিয়া ভূমিতে পতিয়া অল হইল। मानिउ प्रिधित्वक अकार्य अग्रमार्गत उ'शंक क्-रक युपा विया निष्यते क्षित्वक त्य ज्ञि अ क्यां काहारक कहिंउ नां। नानिंड डेर्डे प्रिया कांन क्रिलिक (प बुध्यक्षिक प्रमाणिक क्रिलिक স্বল পায়। সাশিও ইহাই প্রারিয়া আপন গৃহত্ত শ্ৰহিয়া ক্ৰাক বিশৃকে নিম্যুল করিয়া আপদ বাচীতে জানিয়া ভাহারদের শীরেতে এমত এক ঘঞ্জাঘাত করিলেভ যে তাহারদের মন্তক মূর্ব হইয়া বুজের ধারা পাড়তে লাগিল यक्षेत्रांचांउ रहेवांयांत्र हिठलांत लंद्ग आंत्र स्वित्रलक দেই শব্ধ শ্বনিয়া বিশ্বর লোক একর ২ইয়া নাণিত কে দেই দেশের বিচারকর্তার নিকটে লইয়া ৰিচারকর্ত্তা নাশিক্তকে বিজাসিলেন তুমি कि जाता विरुप्तिपिशितक यक्षांचां अतिप्रांच ?

নাণিত ওতার করিলেক যে আমি এক সমুদ্দিতে बाहीए शियांकिनांय मिरे मयमित्व विकर्ध এक वृद्धिल अभिग्राजिन । ने दि सग्रहोगद समेरे বাহ্যানকে কএকবার ঘট্টাবাত করিলেক তাহা उद्देश के कार्य कार्य होने अपने जारा होने अव- जोहांत भंदीत मूर्व इरेल रेश प्रिया गत न विद्यहनां कृतिलांग याप अधि वांक्तालविष्टि वच घस्री ঘাত কল্পি তবে আমি অধিক মূর্ব পাইব ইহাই ধ্রি করিয়া বাহ্মতেরমিগাকে মারিয়ানি কিন্তু जोशंतरात मारी तर मार्थ इडेन मा तर्वन क्रमञ् अनिम्उ इरेन । विठांत्वर्था रेश सेनिया मिरे अग्रमाशिवत्क उक्तिश्रा किहिलन স্মাদ্ধির প্রব এই নাণিত কি কথা কহিতেতে? স্মুদ্রাগর ওবত্ত করিলেন এই মাণিত আঘার চাকৰ চিল কএক দিবসাৰ্থী ক্লিণ্ড ইইয়াতে ৷ বিচার্ভর্তা সম্বাগেরের ভথায় প্রায় করিয়া নালি उत्क (धरांडेग्रां दिल्ल ।

তোতা এই ইতিহান সাম করিয়া থোজেন্তাকে

কহিলেক ও কর্রী এখন আগন প্রিয়তমের নিকটে গাহন ককল। পরে খোতেন্তা গারোশ্যান করিয়ে ওদাত হইলেন ইতিমধ্যে কুনুট রব করিল ও প্রাতঃকাল হইল একারন থোতেন্তার মে দিবস গমন হইল না

৩१ मोजि॰ भे डेंडिशम।

এক মণ্ডুক এক ভুমর এক পক্ষী ইহারা এক হস্তাকে নম্ব করিয়াজিল তাহার কথা।

ঘথন সূর্যান্তে চন্দুদ্য হইল তথন থো জেন্তা ভোডার নিকট ঘাইয়া বিদায় চাহিলেন। ভোডা ওতার করিলেক ও কর্ত্রী তুমি ছফা থাক কিচু সন্দেহ করিও না আমি চেফা করিয়া ভো মাকে ভোমার প্রিয়ভষের সহিত অবশ্য মিলন করাইব। থোজেন্তা ইছাই শুনিয়া কহিলেন ও ভোডা তুমি আরু আমি একচিত্র হইয়া স্বর্বদা চেফা করিভেচি তথাচ কর্মা স্ফল হইল না আমার এমভ মন কপাল হইয়াচে যে ভাহ। কহিয়া সীমা করিভে পারি না। ভোডা ইহাই শুনিয়া ওতার করিলেক ও কর্ত্রী তুমি কদাচ

ভাৰিও লা এ সূহতা ব্যাপার যে সকল কর্মা অভিক্রিন ভাছাও অনেকে একর ইইলে শীঘ্ अमून रग एकउ अरु मध्रुर जांद अरु हुमत 'नेक नक नकी देशका नेका हरेगा नक वृह्द इन्हीरक नक्षं कृतिग्राहिल। इद्देश श्रीतग्रा (थोरजन्डा বিজাসিলেন ও তোতা মে কথা কি পুকার তাহা কহ। । তোতা কহিতে আর্ম্র করিলেক। अस् नगरत्त्र यादी अस् वृक्त उपरांत्र भीगा করের নাগ্য তাহার ওপর এক ছুদু পদ্মী অণ্ড वाधिगयकिल। जांद्रभंद्र अरू फिरम अरू रखी भी म्रांत शंग्रन कित्र्यां मिरे वृत्कृत्व जोनेन शोज मर्घन कतिराउ भीतरत्त्र लिमाउ वृक्त निज्यो (मरे मकन जाउ कृत्य पेज़िय़ां तक्षं रहेन मिरे मपु निर्धी यत्नीपृष्ठत्थात पृष्ठियित रहेगा मिरे ওকর শামাতে শরীর আঁচাড়িয়া স্বর্গন রোদন क्षिए किन्द्र अक पिरम मिडे क पू भक्की ग्रांत বিবচনা করিলেক আমি মসার তুলা হন্তির কি করিব পরে মেই পদ্ধী হন্তীকে অভিশাপ দিয়া

মনেবিবেচনা করিলেক যে এই হস্তা আমার বড় পরু কোন চল করিয়া ইছাকে দুর করিব কিন্ত ইহাঁকে দূর করা আমার দাব্যি বছে আমার এক দীৰ্ঘত কু পক্ষৰ বন্ধু আছে তাহার নিকট গায়ন করি ইহাই দির করিয়া তাহার সমাণে গমন ক্রিয়া আদেশপান্তের সমস্ত বৃত্তান্ত কহিয়া कहिलक अवसू अक इसी जोगांत पृष्ट्यपांग्रक इंद्रेग़ांतर जाउनव जांग्रांत्र नेहे पृथ्मग्रं डलेक्ड ভূমি আমার বন্ধু যদি ভূমি কোন ওপায় না কর তবে তোমার সহিত আমার কি খ্রীত বন্ধূতা করে কিছু পরকালের কারন নায়ে ু কিন্তু বজু তাহারে বলি যে দৃঃস্ময়ে ওপকার করে। ইহাই श्रीनिया प्रीप्रिकृष्ट निक्की अत्र क्रिलिक न रङ् विषय क्याँ आंधि अकांकी इस्तीत्क पृत् कतिएउ ক্রথন পারি না আমার এক বন্ধু ভুমর আচেন ভিনি অভিমূবেধি এবং বিবেচক চন আঘরণ তাহার সহিত প্রামশ করি। ইহা কহিয়া নেই मूरे नेक्सी जुमारत्व निकरे योहेमां इहे देखांत जांड

ভুমর ইহা প্রনিয়া ভীত হইগ্র কুরাইলেক! रुशिलर ने सम्बं जोगोत्र मोदी नरह वन जोगोत এক বজু মণ্ডক আছেল আগ্রহা সকলে তাহার मगीरने यांचेगा नेतांगण क त्या थांचा स्ति इग् छाराहे कविब। नेख जिन नुंधि यणुंदेव विक्षे में इहिंद्रां उद्देश्य में सहन स्था जानारेन। विम् जिस्मित्व जिस्सी मधूब विखन ताम किन्स কহিলেক তুমি কিচু ভাবনা করিও না নিকরেটা থাক অনেত্তে পরামর্শ করিয়া চেম্বা করিলে অভি अह नेक्वंज्ञास्य नीठ कविराज भीत्र । जोहोत পর মত্ক ইন্ডীকে নে স্থান আগ করাইবার कांद्रभ मत्नीमती विविष्ठन। चित्र कित्रिशं जुमहत्क **क्टिल**क যে তুমি হস্তির নিকট গমন করিয়া ডাহার কলে মবুর শব্দ কর যেন ডাহা খানিয়া म या इस उपनत्त्र भेडे पीर्चा भक्ती আশন ঠোঠের দ্বারা তাহার দুই লোচন ওতণাটন করিলে হন্তী পৃথিধীতে অন্ন হইয়া ভ্রমন क्रियक अडे पुकांत्र किए कोन जुमन क्रियन

इसी राज्य मृतिष अ ज्वित इहेरवरू पाधन अहे পুকার হইবেক তাখন তাহার আগ্রে আগ্রি শব্দ ক্রিতেং ঘাইর হন্ত্রী আমার শর্প শ্রনিয়া মনে বিষেচনা করিবেক যে মণ্ডক জল বিলা থাকে লা देश जित्या आयोत नेमिन्य पारेतक जीय प्रोर्शात्र नेयउ सात्र (ऋने कित्र (प मि सान इटेर क्रांशन अहिट मीतिरवक मा अवर जोहांत শ্বু কেই শ্বনিতে পাইবেক না সে অনাহার थाकिया यित्रवरु। अहे नेत्रांयन सित्र कृतिशी ত্তিৰ ব্যক্তি হস্তীকে চলের দারা নম্ভ করিয়াচিল। ভোড়া এই ইভিহাস শেম করিয়া থোজেন্তাকে क्षिलक अ कर्ती कृष्णवृता निक्ष्कि इरेग्रा इस्तित भूति लहेग्रोहिल । धित उपि जांगि भूता মুশ করি, তবে তোমার মুলোবাণ্ডা সিদ্ধহইতে भीदित्यक किन्दु अथन जूमि नीच् वन्तृत तिकहे যাঁও আর বিলম্ব করিও না পরে থোজেনা यारेरे अमाउ इरेलिन अरे माग्र अधाकांल रहेल এ জন্মে দে দিবস থোতেকার গমন ছইল ন।।

७७ जुर्खिल्लंद हेहिहास।

ক্রাজ্বির ওপর আমক্ত হইগালিল তাহার কথা।

ঘানে সূর্যান্তে চন্দ্রোদ্য হইল ওখন খোজেন্তা ভালো যুক্তা হইয়া তোতার সমালে ঘাইয়া কহিলেন ও তোতা আমি পুর্বে এ কথা তোমাকে ভানাইয়াছি কিন্তু এখনও কহি তুমি ভান এক জন পুরুষ ভানির্টিটোকে জিজাসা করিয়াছিল যে শুনিত কি বটে? ছাহারা ওত্তর দিলেক পুনিত জীবন মৃত্যুর মুকল দেখে যে লোক পুন্ম করে সে জীবনে মৃত্যুর নাায় হয় এবং নিল্জ্যুও হয় পুনিতর মই ফল একারন আমি আর পুনিত করিতে চাহি না। তোঙা ওত্তর দিলেক ও কর্রী ভান কথাতে আরু করাতে অনেক দুর ঘাহারা পুনিত করে ভাহারা কথন ব্রিটাবলমূল করিয়া থাকিতে পারে না এবং বন্ধু ব্যতিরেক কনাচ বাঁচিতে পারে না যদি স্থা পুকম বিনা থাকিতে পারিত তবে কমের রালী বহুকাল পুক্ষের সহিত আলাণ ও বিবাহ না করিয়া শেষে কেন বিবাহ করিলেন? যদি তিনি ইহাতে তুম্বা হই তেন তবে কামন বিবাহ করিতেন না। তুমি একান্ত রহিতে পারিবে না। ইহাই প্রনিয়া থোতেন্তা জিজান্দিলেন রালীর ওপাধান কি পুকার তাহা কহ। ভোতা কহিতে আরম্ভ করি

ও কর্ত্রী শ্বন ফ্রান্তুর চিন রাজার এক পাব্র ভিনি বত জানী এক দিবস রাজা নিদ্যাবস্থাতে ক্ষেত্র রাজীকে স্বণ্যে ক্ষেনে প্রোজনের পরায় সময় সে পাব্র দেশের কোন পুয়োজনের পরায় পের কারল রাজাকে জাগাইলেন। ফ্রান্তুর রাজা জাগুত হইয়া এই হস্ত হইয়া সে পাব্রকে ক্ষেনে করিতে ওদ্যত হইবামাত্র সে স্থানহইতে পাব্র পলাইয়া জন্য লোকের বাটাতে গোলেন।

क्रीजी मरीम्प्र हिन क्रीतिए इन्ड ड्रांस क्रीचीड হুবিয়া হিপ্তব ইয়া আপন আমা চিরিয়া िठकांत्र गंड्र कतिरमन अमेरे गंड्र खेतिए। सर्जीख লোকেরা রাজাকে বিজানিলক ও মহারাজ তোমার কি হইয়াতে তমি কি কারণ মত শব্দ করিতের ? রাজা কিছে দির হইয়া ওতার क्रिलिन आधि सत्नु (मिधिए जिलांध (प अर স্পরী স্থামার হাত চুদ্ধন করিছে চিল আমি ও তাহার পাদানত হউতে চিলাগ্র এমত স্কপা নারী আমি কথন দেখি নাই সেই সময় পাত আঁমার নিদা ভম করাইলেক তারণর আমি আর म क्लांक पिराउ परिनाय ता अकार्व जीवि अर्थित सम्बोद्ध यान खिंद्राउदि नेहें क्या শ্বনিয়া দেগতের চিনের দিতীয় পার বড় চিব্রকর রাজার পুমুথা বিমার শ্রনিলেক তদ্ধাপ এক পট চিত্র করিয়া প্রান পথে রাঘিয়া আপনি সেই মানে मयन पिरम थोलियों (यर विद्यानी राजिया আলিত তিনি তাহারুদিগেকে সেই পট দেখাইয়া

জিজামা করিতের যে ডোমরা এমত নারী रत्री यांतन (निध्यो थो इ किसी अनिया थांक जोड्रा कर। अहेउन मकनाक जिल्लामा कृति उर किल কালের পর এক জল বহুদেশদর্শী মেই পারের निक्टे जोर्नेन भाग डोर्टाक (निश्चा नेभिज्यार्ज তাহাকে দেখাইয়া জিজানা করিলেক ও বহুদেশ प्रभारी उदि परितृत स्त्री लोक (क्लिम स्रोत) দেখিলার? সেই যাক কহিলেক ও রাজশার এই আকার কলা আমি দেখিয়ালি ইলি কয দেশের বালী অথচ অবিবাহিতা। পাত ইহা শ্রনিয়া জিজানা করিলেক রানী কেন বিবাহ करतन नारे ? रेशत किंकू वृजांत ज्यि कांच ছোদ্র? মে ব্যক্তি কহিলেক ও ব্যক্তপাব উহিদি হাবে আমি সমূলি ভাত আমি ডোমাকেও কহি भित्र खेन। अक विकास कारात त्रांनी क्यांनेस यहानिकाद अने विमयाबितन सारे अहानि क्षेत्र लीहरू अक्रांस किल उनारिश अकः

II.

वृत्सोनेत्र मसूत्र कण द्रोधियोदिन वाकमा ने अम्रात्न जाति मातियां मकन उच पत्रे रहेत याधन (मारे वृक्काव निकास जारी ने एकिन ज्यान ম্যুর অগ্রির ওস্তাপ মহিতে না পারিয়া আপন শ্রী ও তিমু ত্যাগ করিয়া কোন পুকারে ওদ্দানের বাহির হইল ম্যুরী তিমের মায়াতে স্থান ত্যাগ ক্রিতে না পারিয়া মেই অগিতে দর্গে হইল। व्राक्ती डेर्डा एपिए। विरवहना कविद्नत एव न्यस রভ বিখাস্থাতক ও নিদ্ম্য অভএব আমি নিয়ুম क्रिलांग आह कथन न्यस्त्र नाम न्यस करिय अहे नेकांत्र वष्टकांन शेउ इहेन उथानि রাজী আর পুরুষের নাঘ করেন না। পার এই क्था श्रीत्रा काकृत किन्द्र मास्तर अनिस्प হুইয়া কর যৌত করিয়া কহিলেক ও মহারাত ए। श्रीत अवग्रव सार्थ (प्रशिव्यक्तिलन ভাষার মূর্ত্তি এক পটে চিত্র করিয়া পুডাই পথ मही व्रोधियां विमयां थांकिछांम हा जरून मन्य অদ্য দেশহইতে আদিও আয়ি তাহারদিগকে

वैदें मृत्रित क्या जिजामा करिजाम किन्दु नेवर्द দিবসাবিষ্কিকেই কিজুই কহিতে পারে নাই আদা এক তান বিশুর দেশ বুমান করিয়া আমার নিকটে नैश्किन जीमि उदिक्ति ने नहे क्यारेग्रा জিজাদা বরিলাম তুমি এ পটের ব্রান্ত কহিতে তাহাতে সেই ব্যক্তি কহিলেক আগ্রি কৈছিতে পারি 💢 চিত্রনটে কমের রাজীর পুঁড মৃত্তি লোখা আছে। ফাফুর চিন ই**হা শ্র**নিয়া অন্তান্ত তৃষ্ণ হইয়া পাব্ৰকে কহিলেন ও পাব্ৰ আৰ্যে কোন লোক কম দেশে পেরল কর কেননা আমি मिर्दे वांनी कि ठाडि। नीज कहिल्लक उ ग्रहां রাত শ্রন হানী পুডিজা করিয়াচেল কাশন প্র ষের সহিও আলাপ করিবেল নী। ফ্রাম্র টিন শুনবর্ধার পাত্রকে জিজানা করিলেন রানী কি হেতু এয়ন পুতিজা করিয়াছেন ? পাঁত্র যে পুকার वंश्र प्रानेलें निव्यापी अपूरीत रथी चे निव्यक्तिन ভাহাই বিস্তারিত করিয়া রাজাকে কহিল। পরে ছোত্র চিন বলিলেন তবে আমি ফি করিব?

পাত্র কহিলেক যদাপি আপনি আআ কর তথে আমি কমদেশে ঘাইয়া ভোমার প্রতিমান্তির পট डोहोट्स (स्थांडे अदब जानित (य क्रून स्ट्रन प्रिधियोजित्सन जांशे कहि नवे य प्रकारत রানী ডোমার ওপর আস্কো হন তাহাও করি। ক্রীদুর চিন ভাল বলিয়া ভাহাকে তৎস্থাপ विमाय कतिराम । किन्नु कौरमत पत भोज क्या দেশে শৃহতিয়া আপন তির করিতে জানেন এই কথা কোন লোকের ছারা নেই সহরে ঘোষনা क्रवंदिलन। पृष्टे अक पित्नद्र भंद द्रांबी श्रीनग्रां भाजात कहिलान अभाज यह महरत यक उजय চিনুকর আমিয়ানে অভাব তুমি ভাহাকে শানু আমার নিহুটে আনহ। পাত্র যে আন্তা বলিয়া लांक मात्रा विज्ञकत्रक आंतारेगा करिलन তিত্রকর তুমি যে২ পুকার চিত্র করিতে থাব (मरे मक्ल हिन्न त्रांतीत अध्रांतिकांत्र ग्रारी कत्। भेरत छित्रत्व अध्यानकांत्र आही। स्टीपूर्व छिरन्त প্রিমূর্ত্তি আর্থ জন্তরদের পুডিমূর্ত্তি চিক্স করি

बंद। इंजि काजूर डिलर पुरिश्वि प्रिधिही চম শ্বত হইয়া জিজানা করিলেন ও চিত্রকর এই পুরিমৃত্তি কোন ঝজির । চিনুকর কহিলেক अहे लुजियूर्वि की जून किए-त अहर- जीहांत शृहहः प इतिन इतिनी जारक विश्वासन्त अंज्यान আমি লিমিশৈতি কিন্তু ছণিতৰ চিন ভালোকের ण्डिउ जानानि करत्न ना। व्राती देशहे श्रीनिया জিডাদা করিলেন ও চিত্রক্ত ভাষার কারের কি?। তাহা কর্ চিত্রকর ইহাই শুনিয়া কহিতে আর্দ্র विदिश्लक। এक पिरम क्लीय व किन अधुनिकांद्र. अनेव रिज्योहित्तन (मरे जार्शनिकांत्र नीटि नक इत्ती नुमत इहेग्रीहिल जक्मां में महिन नहीं হইতে জোয়ার আদিয়া পথছিল হরনী দেই অলের যেগ বার্ধ করিতে না পার্য়া বৎসকে জাগ হরিয়া পলাইল কিন্ত হরিল মমতা পুযক্ত বংসের নিকট থাকিয়া বংসের সহিত ত্রিয়া মরিল। রাজা দেই ছরিনীকে মমতা হীশা দেখিয়া-(अरे अर्थि मीलांत्स्व नाग्र करवन ना । डांबी

देशों सेनियां क्लिक् कित्नत क्यां आंत आनंतीते क्यां नैका क्रियां कहिल्लं 3 कित्नक जूमि ते मठ तांजांत क्यां आमीरक कहिल्ल तम मंछा बर्ड कि ना छोशा आमि जांन नां किन्दु आमि लूक्स तक निर्माणिक विणियां नुक्षम्य नांम लग्न्यां छाणि कित्रगंकि तांजांग इतिशोदक निर्मायां विणियां म्ही लांदकत नाम करतन नां अठ नवे यवि जीहीते महिछ आमात विवोह हैयं छत्व वर अथम हम् । नेत्त तांशी क्लिक्त कित्नते विवोह वियोदक वांजी अरध्य बांता लुक्न क्रियलन तम आमि जीहोत्स विवोह क्रियं क्रियलन तम आमि जीहोत्स विवोह क्रियं क्रियलन तम आमि जीहोत्स

ভোডা এই ইডিহান্স নাম করিয়া খোঁতেন্টার্কে কহিলেক ও কর্রী তুমি বলিডের বটে আমি পুটিড ডাগা করি কিন্তু পারিবা না কেননা এমড নকল বাকোর মদি দুটা থাকিও ডবে কর্নাটিড কমের রাজী ফাচ্ছুর চিনকে বিবাহ করিডেন না ও কর্রী ওঠ শীঘু আপন পুিয়ত্যের সমীপে ঘাঙা 209

100

থোজেন্তা ইহাই শ্রনিয়া গমন করিতে ওদাও হইলেন ইউমধ্যে কুকুট লাব্ধ করিলেক এ প্রতিষ্ঠান হইল একার্ড থোজেন্ডার মে দিবদ গমন হইল না এক গাৰ্দ্ধভ আৰু এক মূগে এই দুই পুনি বন্ধন মুক্ত হইয়াজিল তাহার কথা।—

যথেন সূর্যান্তে চন্দ্রেন্ত ছইল তথন থেণ্ তেন্তা বিদায় চাহিতে তোতার নিবার গানন করিয়া কছিলেন ও তোতা তুমি আমার মনের কথা শুন। আবদুল আতাজ বলিয়া এক রাজা জি শেন তিনি আপন বয়ঃক্রমের মধ্যে দিবা কিন্তা রাহ্রিতে নিদ্রা ঘাইতেন না একার ন সকলে তাহাকে জিআসা কহিলেক ও মহারাজ তুমি কেন নিদ্রা ঘাও না ?। মহারাজা আবদুল আতাজ কহিলেন ঘদি রাত্রে শয়ন করি তবে পূজা জন্তনা হয় না একং ঘদি দিবাতে শয়ন করি তবে পুজা নম্ভ হয় এজনো নিদ্বার সময় নিকপন করিতে পারি না। ইছাই কহিয়া থোতেন্তা

कहिलान 3 (जोड़ा जोचि अहे उस किंद्रिएकि यहि পিয়তমের আন্তা লা রুলী থাকি তবে মহামী তাগ করিবেন যদি ক্রামির বলীভ্তা থাকি তাব বজা দুংগাতি হইৰেৰ দুই জনের মন রামা ৰত ভ'ৰ অভাৰ ৰিবেচনা কৰিয়াতি যে ইহাৰ দের পতি মন লা কামিয়া প্যেশ্বকে ভাবিতে বাপু। করি। তোতা ইহাই শুনিয়াওতার করিলেক उ क्ती पेर्राम्बर्ध यान क्रा मक्नहरेड **अज्ञा वरहे** किन्दु या क्लांलव या कर्मा मिटे ফালে তাহা করিলে ভাল হয় অতএব এফনে ভোমার ই শ্বরতে ভারিবার সময় নহে কেননা যেয়ত এক পদ্ধত আখুদিশ গতি গাইটা শেষে वज्रतमाल इहेन नाट्स माहे कन लायांत हरा। ইহাই খ্রনিয়া থোতেন্তা জিজামা করিবেন মেই भाव कि भ्रेकांव वस्तानां अ इडेग्रांकिल जांडा कंड তোতা কহিতে অ'রমু করিলেক।

अस शक्तं इ जोत् अस मृशिष्ठ जाउं व नुनग्र दिन

একার্ন স্ফর্ন একর ভুমন করিও ও এক শানে থাকিত হুতক দিবদের পর বস্তু কাল ওপান্ত इंदेल अस वांक्रिड शत्र उ इंद्रिल अहे मुद्रे পশ্ততে আহারাথে এক ওদ্দানের মধ্যে গমন केतिया शिक्ष जोड्रापिउ इहेग्री हतिनाक कहि लिक अहर हित्र ने बड़ म्मार्ग (क्रमता पूर् मर्तन विकविष्ठ इहेग्रोटल २व० ग्रमर मगीतन বহিতেকে তাহাতে কলুরার দৌরভ জালিয়া দিক সকল আমোদিত করিতেতে এখন গান ক্রাতে মদের বত তুচ্চি হয় এই হেতু আমি গতি গাইতে চাহি। ছরিও ইছাই শ্রনিয়া ছাজ্য করিয়া পদ্দভকে কাইলেক ও হে পদ্দভ তুমি গীতের কি জানহ ডোমার গান খানিয়া কেবল রজক ভাল বলিবেক আর কোন ব্যক্তিরা ডোমার গান প্রনিয়া হাস্য করিবেক অভ এব ভোমার গীতেতে কোন পুয়োজন নাছি ভূমি আমি চোরের ন্যায় এই ওদ্দানে আব্দিয়াচি যদি তুমি আপন শুল প্রশাল কর তবে ওদ্ধির রক্ষকের। জাগুড় হইয়া ইহাই গুনিয়া কাণ্ড হইয়া অপন ভ্রেড্রেমিণ কে আগোইয়া নেই চোরেমেগিকে ইরিয়া বন্ধন করিলেক। এই কথা গুনিয়া গদভি কহিলেক এহরিন গুন আঘি নগার খালি জুনি বলে গাক আন্তার গাঁও কি বন্ধ জাহা জুমি জাত নহ। আমি ভোমার বারন একান্ত গুনিব না ইহাই বলিয়া গদভি গতি আরম্ভ করিলেক অনন্তর ওদ্দান রাম্ভকেরা আগত হইয়া ভাহারদের দুই পশ্তকে বন্ধন করিলেক। ভোডা এই কথা নাম করিয়া থোনেস্তাকে কহিলেক ও কন্ত্রী গুন তি নিয়া কর্মান করে করে করিবের। বে মাত চোরেরা বিশ্বানের্মের বাপ্তাতে চৌর্টান নির্মা এক গ্রেরের বাপ্তাতে চৌর্টান স্থা পাইয়া বড় আনিনিত হইয়া সেই বোজন সম্পূত্য কানিয়া নির্মাণ করিলেক যে আইন সকলে পুথ্য স্থানান করি তারেরা স্থানানে মাত হইলা হাই নির করিলা চোরেরা স্থানান বাত হইলা ভাইনের গান করিতে লাগিল বাদির করে य कि सम्मान्त्रमात कमा ना करते जारांत ने पंचार प्रमान्त्रमात कमा ना करते जारांत ने पंचार प्रमान कर कि ना करिया कार्या करिया नाम जुमि भीषु अविशे जानन वसूत निक्षे पांत । भरत (धारज्या परित्य उपायक वसूत करियां)। भरत (धारज्या परित्य उपायक वसूत करियां)। भरत (धारज्या परित्य उपायक वस्ते करियां) करियां वस्ते करियां अपायक वस्ते करियां अपायक वस्ते करियां अपायक वस्ते व

৩৫ দক্ষত্রিকশত ইতিহাস।

এক রাজা এক কন্যার ওপর আক্ত হইয়া চিলেন এক ময়মূন থোতেন্ডাকে নচ্চ করিয়া চিলেন ভাহার কথা।

ঘান সূর্যান্তে চন্দ্রের ইইল তথান গোলে ভা ক্রের নিকটি ঘাই । ক'হলেন ও ভোলা পুরাহ গোলিতে ভোমার সম্প্রিম আমি আমিনতির ভূমার আমার মনোভিলাঘ পুর্ব ইইল না। কিন্তু ভূমি আমার লবন ভক্ষন করিয়ালে ভাহার্রদিণো দুটি রাথিয়া শীনু আমাকে বন্ধুর নিকট ঘাইতে অনুমতি কর তবে আমি বন্ধুসম্মীপে ঘাই। ভোতা ওতার করিলেক ও কন্ত্রী কেন ভূমি ভাবিভেলে আন্ত যে করেণ ভূমি ভোমার বন্ধুর নিকট পঁজানিতে পার ভাহা আমি করিব কিন্তু ঘাদি অন্য লোকহইতে ভোমার এই গেপ্ত কথা मुक्षान हरा उत्त उच्चि कच्चत्र त्रंजिक नरित कन्त्र स्तित जानाहे । भार कारजन्त्र जिल्लामाना त्यान करम्य वांद्रा मधीव जानिस्योक्ति (त्याव

अ त्या मि मुकांद्र धर्मा कहा। त्यां দিবস সেই রাজার পাত্র হাজাদৈক কছিলেক यश्रीत क्रायक वर्षित्रवित्र वर्ष्यमा प्रति क्यापारणेत निक्षे अक क्षित्र क्रिटनम अस क्रिए आंग्रह क्रियन ।

म्मत्रती अक कना। ज्यारक पामि क्रिकारकर्या स्मार करायात्र महिक विवाह (मन उत्तर स्मार करायात्र महिक विवाह (मन उत्तर स्मार कराया ह्या। व्यारा भीरानुत्र कथा। भम्म कर्मित्र कराया ह्या। व्यारा भीरानुत्र कथा। भम्म कर्मित्र नाना ज्याचीय मायाजी मुखा अक्ष प्रतान (प्रवाधित नाना ज्याचीय मायाजी मुखा अक्ष प्रतान (प्रवाधित नाना ज्याया प्रवाधित कराया ने प्रवाधित प्रवाधित मायाजी स्मारा ज्याना विवास मायाजी स्मारा ज्याना व्याप्त क्राजांक (प्रविच माना विवास मायाजी स्मारा ज्याना करायात्र प्रवाधित करायात्र विवधित करायात

রাজচক্তরণ ইহা প্রনিয়া ত হাকে ক্ষুদ্ রাজা ভান করিয়া মেই ব্রাণ গ্রাহ্য করিলেন শা ভাহার পর দেই দৃত আপন দেশে আদিয়া রাজাতে দকল বৃত্তাত্ত ভাত করাইলেক য়াজা বৃত্তান্ত জাত হইয়া বিশুর দৈশ্য একর করিয়া কমদেশে भूमांन कविरतन भरद अहे अश्वाप क्यरपरभंद ভণতি পাইয়া আপনিও ঘুদ্ধ সন্ত্ৰা করিলেন এবং রাজা শহরিকে পর তাঁহার সহিও মুর্ছে পরাজয় হইলেন এবং আপনার কন্যাকে রাজার সহিত বিবাহ দিলেন এবং ক্ল্যাকে কহিলেন ও ত্রনা প্রব ভোমার পুষর নামির এক পুশ্র আছে এবং পৃত্তর যে ডোমার বিবাহ হইয়াভিল তুমি এ কথা রাজার সাহাতে একার কহিও না। ক্ন্যাকে ঘথন বাজা আগন বাটাতে আনিলেন उधन क्ला नृत्यत विरहत्य मर्वमा पश्चिता थोकि তেন এবং ইচ্না করিতেন যে কোন কথার প্রদান ক্ষমে পুশ্রের পুন্দম রাজার নিকট করিব এই গ্রামণ হির করিয়া থাকিলেন কিচু কাল পরে वाजा क्लारक वरम्या नुस्त एक महात् अक त्यांच रोहा दिलान क्ला होते महिशा द्रांजारक হুহিলের ও মহারাজ আমার পিতার নিকট এক শোলাম আতে দে ষড় মলাদির পরীস্থা করিতে পারে যদি এই সময় সে এখানে থাকিত তথ ভাল মদ ইহার মার্য় যে আছে তাহা কহিতে পরিত। র'জা ইছা প্রল করিয়া কহিলেন যদি ভোঘার পিডার নিষ্ট সে ৌাল'মকে আমি চাহি তবে ত'হ কে ভোমার পিডা দিবেন কি লা? কল্যা কহিলেৰ বিতা তাহাকে আপন পুশ্ৰের ন্যায় পৃত্তি पीन्न करियां फिन कपी एन देश सेनिया दोजा म भागांधरक लहेबांव वज् वांद्रा कवियां कनारक कहिरलम अ ियां आधि अरू मव्योगिवरक जोशेव निक्दे नीतांडे अग्रमांशंत्र यांडेग्रां शिलांग्रत्क वरन তুনি আনারদের রাজার শিক্ট চল তুমি এ মানে য়ে তুপ আহ দ্বে মানে গেলে ডে'মানু অহিছ ন্তাল ইছবেক পিলাম ইহা শ্বনিলে ববিং আসিতে পারে। রাজা এই পরামর্শ দ্রি করিয়া

এক অন সবেধি সমুদাগিরকে ধন সূদ্ধা বানিতোর চলেতে দেই গোলামকে আনিতে পাঠাইলেন। ক্রনা রাজার অগোচরে সমুদ্গিরকে কহিলেন ও সয়দাগার তৃমি ঘাহাকে আনিতে ঘাইতেল সে গোলাম নহে কিন্তু জামার প্রা ভূমি এ কথা পুকাশ করিও না এবং মে খানে গিয়া গৌলায় বলিয়া অনুষ্ঠে করিও না ফিন্তু ডিজাসা कित्उ (घ श्रांजकनारि नम्मत्नत् जानुम्ल कित् তবে ঘাহাকে জিজাদা করিব। দেই দেখাইয়া দিবেক। যাথন আদিবা তাথন তাহাঁকে কহিও এখালে আমিয়া সকলকে পরিচয় দেয় যে আমি রাজার দাস। বিদ্ধ তিনি আমার খুল ইহা (यम कारांकि करहत ना । भरत म्यूपिनित ৰমে দৃহজিয়া বালকের সহিত সাহ্বাত করিয়া भे अहल कथा कहिरलन अव° वांलक अंशिर्ड সমাত হইয়া সম্দাগরকে কহিলেক আমি ডোমার সহিত গমন করিব এই কথার পরে সয় দাণির সেই বালককে আদিয়া আপন রাজার নিকট

ওপৰ্ত করিলেক। রাজা সেই বালককে স্ক্র <u> १वर्ष विश्वंत (पणियां जुक्ष रहेयां मयप्रीगतरह तथ</u> লাভ দিলেল। ৰালক বাডাবাটী গামন কবিয়া আপন মাড়াকে পুনান একং আপন সম্বাদ কহিয়া পাঁৱাইলেন। সন্যা পুত্ৰের সদ্বাদ শ্বনিয়া আন ন णं रहेलन। 🔍 ग्रां॰ ीक मिरम क्रांणा ग्रामा করিতে গেলেন ইতাবদরে কন্যা পুশুকে বাটীর মবো আনাইয়া ভাছার মৃথাদি চুদ্দল করিয়া ज्ञकल पूर्वेश पूर्व कविरालत । किन्छ प्रविद्यक्तरकता তাহাই দেখিয়া রাজা বাটা আনিবামাত্র যে ছিল্ দেখিয়াটিল সমস্ত রাজাতে কহিলেক। রাজা শ্বনিয়া কল্যার ওনর কোরান্তিত ছইয়া মানে विद्यानी कवित्तन वृद्धि न की हुम। इत्य नकदिन আপন প্রিয়ত্মকে এইথানে আনাইনেক। ব্যাজা ইহাই থির করিয়া তাহ'র সহিত আর আলাণ করিলেন না। কন্যা বত বুদিমঞ্জ বুঝিলেন রাজার বড় ওখ্যা আঘার ওপর হইয়ালে বিষ্ আমি আমার পশ্রের ম্থাদি চম্বন করিঞাচিলাম ভাছাই কোন মতে রাজা জাত ছইয়া থাকিবেন

একার্ন আমার ওপর ওঘ্যা করিয়াদেল। কন্ম ইহাই ভাবিয়া বাজাকে জিজাদা করিলেন মহারাজ কেন ভাবিডেজ ? রাজা ওতার করিলেন ও প্রিয়া আমার ভাবনার কার্ন শ্রন ত্মি ওপায় করিয়া আপন পিয়তমকে আনাইয়ার একং আমি मृत्रांगांत्उ त्रांमन कवितन जोशंत मृथ हुम्नन করিয়াল আঘি এই কার্ব ভাবিতেলি ৷ ইহাই कश्या दाजा यत वित्वहमां कदितम इशेरक मध क्यां अविज नरह कना। अहे शिलांबहहेर इसी इहेग्रोट्स अउभव शिलांगर नक्ष क्रां अन्ब हेरा सित कतिया अक प्रांक जोका कवित्न अहे গোলামকে এক গোণান মানে লইয়া এম্বরে ইহার মন্ত কেদ্ৰ কর। দৃত বাজহাজা পাইয়া বা नकरक शिन्दन महेगां जोहांत कन प्रिया प्रश মুক্ত হইয়া কছিলেক ও বালক তুমি রাজার শ্বী জাত হইয়া কেন তাহার সহিত আলাপ क्त्रियां किला ? योलक कहिल्लक अ तांजपाउ खेन कनारित शर्ब अवः कनारित प्रध्य स्रोधित ওরবেন আমার জন্ম রালী আমার মাতা কিন্তু

তিনি লক্ত্রা পুযুক্ত রাজাকে আমার পরিচয় দেব দাই ভোমাতে আখন তথা ঘাঁথাৰ্থ কহিলাফ এশে আমি ভোমার তুমি রন্ধা করিলৈ আরু কেই মারিতে পারে না এবং সঞ্চ করিলেও ক্তেছ রাজিতে পারে লা অত্যর ঘাহা ওপযুক্ত হয় তাহা কর। দৃত ইহাই শুনিয়া বালককে जन्भं कित्रा ग्राम विस्तरना कित्रलक यहि क्रांन वांजा अहे पविषय खेलिया वांलकरक जांयांव স্থানে চাহেন তবে আমি কোথাহইতে দিব ? অত্যব এখন ইহাকে চেদ্দ করা আমার ওচিড देश दित कतियां वालकरक नक्षं कतिल ना किन्दु पद पिरुम द्राजाद मिक्टे अविष्ठ रहेग्। क्टिलिक ग्रांद्रांज वानकरक नम् क्रियां जि । ইহা শুনিয়া রাজার ক্রিঞ্চিৎ ক্রোবি নিৰুত্তি হইল ৷ कना। अरे मकल (पणियां : ३०८ श्रुनियां पृश्वियां इटेलन (क्ननां मतुनि मधं इटेन ्र ३० स्रायीः) তাগি করিলেন। পরে এক জন বদ্ধা দ্রী ঐ বাট্টাতে চিল মে কন্যাকে জিজামা করিলেক ও क्मां जोगांत्र क्न जीवजा पिणाउदि : क्ना

हेर्हा स्रेतिया आंभेतीत मध्य वर्धा (महे वृद्धांक অহণত করাইলেন। বৃদ্ধা খানিয়া ওত্তর করি লেক ভূমি থাতির জমাতে থাক আমি এমত কৌমল করিব যে রাজা পুলরায় ভোমাতে তুম্ব রাজচারবর্তির কলা কহিলেন মাত্রা আমার এই বেদনার ওঘর তমি যদি কর তৰে তোমার জামার দামন আমি রব্বেপরিপ্র করিব। পরে এক দিবল সেই বৃদ্ধা রাজাকে একাকী দেখিয়া জিজাদা করিলেক ও মহারাজ ভোমাকে কি কার্ল ওদিগু দেখিতেছি? রাজা ক্ছিলেন ও গো মাতা আমার স্থা গোলা মের ওপর আদক্ত হুইয়া ভাহাকে কমহুইভে আনাইয়াতিল তামি তাহাকে নম্ভ করিয়াতি ७ थोठ जोमांत त्म प्रश्य योग नाई किन्द्र न कथा সতা কি মিখা তাহাও বুঝি:ত শারি নাই এই জন্যে কন্যাকে নম্ব করি মহি। বৃদ্ধা কহিলেক মহারাজ আমি এক ফবজ জানি ঘথন কন্যা নিদা ঘাইবেক তথন সেই কবত কনাগর বহুদলে वृत्तीभि उत्व बोहा वर्धार्थ उदा हनाव स्प इंडेएड बहिड ग्रेटेरवंट । ग्रांचा देश भूवन कहिया विम्यान अगोधा (मारे कराज भीचु जागारिक तर्क क्ष्म हेश्हे धुनिया नेक कशिता कराज लिया। ग्रांचारक मिरा कनाकि निक्छे यहिया त्य कर्न द्वांचा निक्छे कहियांकिन (मारे मकन कनारिक शहिया विन्त कहियांकिन (मारे मकन इनारिक शहिया विन्त कहियांकिन अन्त क्या। प्रतियोक कष्ट्रकान (मारे कांच्या क्रिसिक्न निक्न क्या) याधार कहिया निक्छे कांच ग्रांचिक मकन क्या। পরে এব পুরর রাশ্রিগণেও রাজা কল্যান্ডে নিন্তিতা কেমিয়া তাহার ব্যক্ষণে লেই কবতা রাশিলেন। তাহা কান্যা নেই কন্যান ক্যান ত্যুন করিয়া করিলেন ও পিয়া কেন মুক্ষা তুম পূবেৰ কাম্যান্ডে বাছনে পারি নাই। রাজা তাহাই প্রী পুত্র ক্যিনে পারি নাই। রাজা তাহাই প্রীয়াত দ্বান্ত তুমি বালহনে আমির তাহাই जांद्र तक्ष कविद्योग छांहांत्र ही व (कांधांव ? पूछ ওয়র করিবেক মহারাজ এখন পর্যান্ত তাহাকে আত্মি নথ করি নাই কেননা ঘদি আপনি তাহাকে প্ৰব্যায় চাহেন ভবে আমি কোথা रहेल पिर ? यत्या नम्र कतिल वांग्रंत यात्र तां । ইহা খানিয়া রাজা বড় তুও হইয়া কছিলেন ভূমি ওয়ম করিয়াল স্থান ভূমি মেই বালককে আমার নিক্ট আনহা, দুত পানু গাম্স করিয়া ৰান কৰে আনিশেক। কন্যা পুত্ৰকে দেখিয়া কোতে লইয়া ঈশ্বাহের স্তব করিতে লাগিলেন। -ভোড়া এই কথা শেষ করিয়া থোভোন্ডাকে रहिरलर 3 दर्जी यमि लोगोद रहोत ग्रन হয় তবে এই মত হলের হারা আপন সভীসু পুকাশ করিও এখন তুমি গাঁকে শান করিয়া আর্লন বিয়তমের নিকট শীঘ ঘাঁও ৷ থোঁতোকা रेशरे जेनियां यारेत्व अग्रव रहेलन अरे समग्र ठ तथापूरी त्र करिताक उ नाउशकान इरेन अ করি। থোজেনার দে দিবদ গায়ন হইল না। डोत्रपत जलमां ने प्रियम श्राम्म विकर्ण হইতে বাংগ্রেয়া বাটা আদিয়া দারীকে দেখিওে
দা পাইয়া পুথম থোজেস্তাকে জিজাদা করিলেন
ও পুরা দারী কোথায়? থোজেস্তা কিচু
ওত্তর করিলেন না তাহার পর ময়মুন তোতাকে
জিজাদা করিলেন। তোডা কহিলেক ও কর্তা
দারীর দশার কথা আমার মুখে প্রন এবং
থোজেস্তার চরিত্রের কথা আমাকে জিজাদা কর
পরে ময়মুন ভোতাকে বলিলেন ও ভোডা ভূমি
দারীর কথা এবং থোজেস্তার চরিত্রের কথা
কহা ভোডা ইহাই শ্রানিয়া দারীর মৃত্যু এবং
থোজেস্তা যে পুরুষের ওপর আদ্রুক হইয়াজিল
ভাহার বিবর্গ কহিলেক। ময়মুন ইহা শ্রানিয়া
তৎক্ষণাৎ থোজেস্তাকে নহা করিলেক।

END

ইতি তোড। ইতিহাস সমাপ্ত।

